विनती सुनो मेरी कृष्ण मुरारी

विनती सुनो मेरी कृष्ण मुरारी
==========
विनती सुनो मेरी, कृष्ण मुरारी,
आया हूँ मैं, शरण तिहारी ॥

ऐसा हूँ मैं, कैसा हूँ मैं,
दीन सुदामा, जैसा हूँ मैं ॥
मेरे भी तंदुल ॥ तुम स्वीकारो ।
निर्बल निर्धन, के हितकारी...
विनती सुनो मेरी...

मैं जानत हूँ, तुम हो मेरे,
तुमको सिमरूँ, मैं साँझ सवेरे ॥
यह कहते हैं ॥ आँसू मेरे ।
हर लो संकट, संकटहारी...
विनती सुनो मेरी...

सूरदास का, मन हर लीना,
मीरा बाई को, दर्शन दीना ॥
श्यामल शाह का ॥ वेस बना के ।
नरसी भक्त की, हुंडी तारी...
विनती सुनो मेरी...

यूँ न सताओ, आ भी जाओ,
मुरली की इक्क, तान सुनाओ ॥
तरस रहे हैं ॥ नैन हमारे ।
अब दिखला दो, सूरत प्यारी...
विनती सुनो मेरी...

श्री कृष्ण, गोबिंद, हरे मुरारी,
हे नाथ, नारायण, वासुदेव ॥ ॥ ॥
जय राधे राधे... श्याम मिला दे ॥ ॥ ॥
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34174/title/vinti-suno-meri-krishan-murari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |